इंडो-यूरोपीय भाषाएँ

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यों?

???? जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में **काकेशस लोअर वोल्गा लोगों को इंडो-यूरोपीय भाषाओं** के संभावित प्रवर्तक के रूप में पहचाना गया है, जो पूर्व के **यमनाया सिद्धांत** को चुनौती देता है।

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष क्या हैं?

आनुवंशिक उत्पत्ति: काकेशस **लोअर वोल्गा लोग,** जो 6,500 वर्ष पूर्व वोल्गा नदी से काकेशस पर्वत तक फैले यूरेशियन मैदानों पर रहते थे, उन्हें **इंडो-यूरोपीय भाषा परिवार के आनुवंशिक पूर्वज** के रूप में पहचाना जाता है।

- **यमनाया लोगों की भूमिका: काकेशस लोअर वोल्गा** के वंशज **यमनाया लोगों (5,700-5,300 वर्ष पूर्व) ने यूरोप, भारतीय उपमहाद्वीप और चीन** में प्रोटो-इंडो-यूरोपीय भाषाओं को फैलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - विशिष्ट **यमनाया DNA** का निर्माण इन प्राचीन लोगों द्वारा पश्चिम की ओर पलायन करने और आसपास की आबादी के साथ घुलमिल जाने के कारण हुआ था।
  - **प्रारंभिक शोधों से पता चला है कि स्टेपी** के प्राचीन यमनाया लोग **प्रोटो-इंडो-यूरोपीय भाषा** के प्रवर्तक थे, जो आधुनिक इंडो-यूरोपीय भाषाओं का अग्रदूत था।
- **आर्थिक परिवर्तन: यमनाया लोगों** की नई आर्थिक प्रथाओं, जैसे **पशुपालन और बैलगाड़ियों** के उपयोग ने उनके प्रवास और विस्तार को सक्षम बनाया।
  - यमनया **में जनसांख्यिकीय विस्फोट** हुआ, तथा कुछ ही शताब्दियों में इसकी जनसंख्या कुछ हज़ार से बढ़कर अधिक हो गई।

इंडो-यूरोपीय भाषा परिवार

- इंडो-यूरोपीय भाषा विश्व का सबसे बड़ा भाषाई परिवार है, जिसमें **400 से अधिक भाषाएँ शामिल हैं**। ये भाषाएँ कई उप-भाषाओं में विभाजित हैं।

इंडो-यूरोपीय भाषा उप-परिवार	बोली	क्षेत्र
केल्टिक	ब्रेटन, कोर्निश, मैनक्स, आयरिश, स्कॉटिश गेलिक, वेल्श	पश्चिमी यूरोप, ब्रिटिश द्वीप समूह
युरोपीय	अंग्रेज़ी, जर्मन, डच, स्वीडिश, डेनिश, नॉर्वेजियन	उत्तरी और पश्चिमी यूरोप
रोमांस	लैटिन (शास्त्रीय), फ्रेंच, स्पेनिश, इतालवी, पुर्तगाली, रोमानियाई	दक्षिणी और पश्चिमी यूरोप
यूनानी	ग्रीक (आधुनिक और प्राचीन)	ग्रीस, साइप्रस
अल्बानियन	अल्बानियन	अल्बानिया, कोसोवो, मैसेडोनिया के कुछ हिस्से, मोंटेनेग्रो
अर्मेनियाई	अर्मेनियाई	आर्मीनिया
बाल्टो-स्लाविक	लातवियाई, लिथुआनियाई, रूसी, पोलिश, चेक, स्लोवाक, यूक्रेनी, बेलारूसी	पूर्वी यूरोप, बाल्टिक क्षेत्र
भारतीय और ईरानी	फ़ारसी (फ़ारसी), कुर्दिश, पश्तो, बलूच, संस्कृत, पंजाबी, सिंधी, कश्मीरी, डोगरी, गुजराती, उर्दू, हिंदी, मराठी, मैथिली, नेपाली, बांग्ला, असमिया, उड़िया, सिंहली, धिवेही	भारतीय उपमहाद्वीप, ईरान, मध्य एशिया

नोट: दक्षिण एशिया में भाषाएँ चार प्रमुख भाषा परिवारों से संबंधित हैं: **भारोपीय (भारतीय आर्य) भाषा, द्रविड़ियन, ऑस्ट्रो-एशियाटिक और चीनी-तिब्बती।**

- **भारोपीय भाषाएँ:** सबसे बड़ा भाषा समूह, जिसमें 73.30% जनसंख्या द्वारा 574 भाषाएँ बोली जाती हैं।
- **द्रविड़ भाषाएँ:** 153 भाषाएँ, जो 24.47% जनसंख्या द्वारा बोली जाती हैं।
- **चीनी-तिब्बती भाषाएँ:** 226 भाषाएँ, जिन्हें बोलने वाली जनसंख्या का 1% से भी कम हिस्सा इनमें शामिल है, जिसमें सियामी-चीनी उपपरिवार की खाम्पती भी शामिल है।
- **ऑस्ट्रो-एशियाई भाषाएँ:** 65 भाषाएँ जो 6.19 मिलियन व्यक्तियों द्वारा बोली जाती हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत के संदर्भ में, 'हल्बी, हो और कुई' पद किससे संबंधित हैं- (2021)

(a) पश्चिमोत्तर भारत का नृत्य रूप
(b) वाद्ययंत्र
(c) प्रागैतिहासिक गुफा चित्रकला
(d) जनजातीय भाषाएँ

उत्तर: (d)

प्रश्न. निम्नलिखित भाषाओं पर विचार कीजिये: (2014)

1. गुजराती
2. कन्नड़
3. तेलुगू

सरकार द्वारा उपरोक्त में से किसको 'शास्त्रीय भाषा' घोषित किया गया है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indo-european-languages